Mr. Speaker: That is a matter of opinion.

Shri Nambiar: The emergency has ended.

Mr. Speaker: Let it be debated separately, not now.

Shri Nambiar: Let us know what the hon. Minister has to say about this

---

12.36 hrs

ALLOCATION OF SEATS

श्री यशपाल सिंह (देहरादून) अध्यक्ष महोदय, मुझे आप की सेवा मे कुछ निवेदन करना है । आप जैसे न्यायमूर्ति स्पीकर के रहते हुए मेरे साथ बेइमाफी नही होनी चाहिए । मैं पिछले पाच सालो मे इस हाउस से एक मिनट के लिए भी गैरहाजिर नही हुआ हू और जब से बैठक शुरू होती है तब से लेकर सदा अत तक यही मौजूद रहता हू । हजारो दफे मैं ने भाषण किये हैं, प्रस्ताव आदि पेश किये हैं और प्रश्न किये हैं । जिस तरीके से एक पुजारी मदिर में जाया करता है उसी श्रद्धा और निष्ठा के साथ मैं यहा सदन् में आता हू । मैं पहले दूसरी कतार मे बैठता था लेकिन अब मुझ को पाचवी कतार मे स्थान दिया गया है । इस से ज्यादा बेइसाफी मेरे साथ और कोई नही हो सकती । जेलखाने तक मे हार्ड वर्क का क्रेडिट मिलता था लेकिन यहा पर मुझे हार्ड वर्क का क्रेडिट नही मिल रहा है । मुझे इसाफ दिया जाय और मैं जो दूसरी कतार में बैठा करता था उसे कायम रखा जाय या फंट रो में मुझे रखा जाय लेकिन मुझे पाचवी रो में जगह दी ग. है । मुझे आशा है कि आप के स्पीकर रहते हुए मेरे साथ ऐसी बेइसाफी नही हो सकती । अगर दल की कोई बात हो तो मैं कांग्रेस के सिवाय हर एक दल मे बैठने के लिए तैयार हू लेकिन जैसा मैं ने कहा मुझे या तो पहले जैसे दूसरी कतार मे बैठाया जाय या फ्रट कतार में जगह दी जाय और यदि कांग्रेस के अलावा किसी दूसरे दल में इसके लिए जाना पडता है तो आप मुझे सजैश्ट कीजियगा ।

12.37 hrs

RE WRIT PETITION AGAINST SPEAKER AND MEMBERS OF THE COMMITTEE OF PRIVILEGES

Mr Speaker: During the last Lok Sabha, on the 12th August, 1966, Sarvashri Tridib Kumar Chaudhuri and Madhu Limaye, Members of Parliament, had raised a question of privilege, alleging, *inter alia*, that on the 9th August, 1966, when they reached Patna Air Port, the Bihar Police served an externment order on them under the Bihar Maintenance of Public Order Act, 1949, directing them to leave the State of Bihar within one and half hours, but kept them in virtual arrest and detention in the V I P Room Patna Air Port, without any criminal charge and prevented their free movement during the said one and half hours period although they were free to move about in Bihar without any restraint for that period in terms of the externment order served on them.

On the 18th August, 1966, the House referred the matter to the Committee of Privileges.

The Committee of Privileges, before arriving at their conclusions, decided to examine among others, Shri B N.P Kumar, Deputy Superintendent of Police, Patna who had served the externment orders on Sarvashri Tridib